पाठ्यक्रम

राजनीति विज्ञान पेपर - 1

1. भारतीय राजनीतिक विचार

- मनु और कौटिल्य। बौद्ध धर्म और जैन धर्म में अहिंसा की परंपराएँ।
- मध्यकालीन भारत में राज्य की प्रकृति: जियाउद्दीन बरनी, अबुल फ़ज़ल।
- राजा राम मोहन राय, दयानंद सरस्वती, सर सैयद अहमद खान, ई.वी. रामास्वामी नायकर।
- दादाभाई नौरोजी, अरबिंदो घोष। एम.के. गांधी, जवाहरलाल नेहरू,
- जय प्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, बी.आर. अंबेडकर, कमला देवी चट्टोपाध्याय।

2. राजनीतिक अवधारणाएँ और विचारधाराएँ

- राज्य का परिप्रेक्ष्य: आदर्श, उदारवादी, मार्क्सवादी, उत्तर-औपनिवेशिक और उप-अल्टरनेटिव।
- संप्रभुता, शक्ति, अधिकार, वैधता।
- अधिकार, स्वतंत्रता, समानता, न्याय, नागरिकता।
- लोकतंत्र की अवधारणा: शास्त्रीय, उदारवादी और मार्क्सवादी सिद्धांत, लोकतंत्र के मॉडल: प्रतिनिधि, सहभागी, विचार-विमर्श।
- राजनीतिक विचारधाराएँ: उदारवाद, मार्क्सवाद, रूढ़िवाद।

3. तुलनात्मक राजनीति और सरकारें

(यू.के., यू.एस.ए., फ्रांस, चीन और कनाडा के संवैधानिक ढाँचों के विशेष संदर्भ के साथ)

- संविधान, संविधानों के प्रकार, सिद्धांत और व्यवहार में संविधानवाद।
- सरकार का वर्गीकरण: लोकतंत्र और तानाशाही, एकात्मक और संघीय, संसदीय और राष्ट्रपति।
- सरकार के अंग: शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका- तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में उनका अंतर्संबंध।
- राजनीतिक दलों के सिद्धांत, राजनीतिक दलों के प्रकार और कार्य, दबाव समूह और हित समूह।

4. भारतीय संविधान और संस्थाएँ

- भारतीय संविधान का निर्माण, प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत और मौलिक कर्तव्य।
- भारतीय संघवाद का संवैधानिक ढाँचा, केंद्र-राज्य संबंध और स्थानीय स्वशासन की संस्थाएँ।
- संघीय कार्यपालिका- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद। संसद- संरचना, शक्ति और भूमिका।
- न्यायपालिका- सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक समीक्षा, बुनियादी संरचना वाद-विवाद, न्यायिक सक्रियता और न्यायिक सुधार।
- राज्य कार्यपालिका- राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद। राज्य विधानमंडल- संरचना, शक्ति और भूमिका।

5. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और अवधारणाएँ

- सिद्धांत: आदर्शवादी, यथार्थवादी, नव-यथार्थवाद, प्रणाली, मार्क्सवादी, कार्यात्मकता, रचनावाद और निर्भरता।
- दृष्टिकोण: निर्णय लेना, खेल, संचार और सौदेबाजी।
- अवधारणाएँ: राष्ट्रीय शक्ति और उसके तत्व, राष्ट्रीय हित और उसके साधन, शक्ति संतुलन, सामूहिक सुरक्षा।
- शस्त्र दौड़ और शस्त्र नियंत्रण, निरस्त्रीकरण, युद्धों की प्रकृति, कारण और प्रकार।
- विलय अवधारणाएँ: बहुसंस्कृतिवाद और पहचान की राजनीति, क्षेत्रवाद, हरित राजनीति, इतिहास का अंत।

DrGenius Academy